महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा 47% उछला

रेवेन्यू 26 प्रतिशत बढ़कर 52,100 करोड़ रहा

मुंबई, 11 फरवरी. महिंद्रा एंड महिंद्रा ने तीसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए कंसॉलिडेटेड मुनाफा 47प्रतिशत बढ़ाकर 4,675 करोड़ कर लिया. ऑपरेशन से रेवेन्यू 26प्रतिशत बढ़कर 52,100 करोड़ रहा.

एसयूवी, ट्रैक्टर और सर्विसेज बिजनेस की मजबूत मांग ने ग्रोथ को गति दी. नतीजों के बाद शेयर में हल्की तेजी दिखी और एक साल में स्टॉक करीब 20प्रतिशत चढ़ चुका है. कंपनी का मार्केट कैप 4.41 लाख करोड़ पर पहुंच गया है. महिंद्रा एंड महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजों में दमदार बढ़त दर्ज की है. कंपनी का कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 47प्रतिशत बढ़कर 4,675 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 3,181 करोड़ था. ऑपरेशन से रेवेन्यू 26प्रतिशत बढ़कर 52,100 करोड़ रहा, जबकि कुल आय 52,958 करोड़ पर पहुंच गई. तिमाही के दौरान वाहन बिक्री 23प्रतिशत बढ़कर 3.02 लाख यूनिट्स रही, जिससे ऑटो बिजनेस की मजबूती साफ दिखी. एसयूवी सेगमेंट कंपनी की ग्रोथ का बड़ा इंजन बना रहा. थार, स्कॉर्पियो-एन और

एक्सयूवी 700 की मजबूत मांग से एसयूवी बाजार में हिस्सेदारी 24.1प्रतिशत तक पहुंच गई.

> अकेले ऑटो सेगमेंट के मुनाफे में 42प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई. वहीं, फार्म इक्विपमेंट बिजनेस को ट्रैक्टर बिक्री से बल मिला- कंपनी ने 1.50 लाख ट्रैक्टर बेचकर 23प्रतिशत की वृद्धि हासिल की और इस सेगमेंट के रेवेन्यू में 21प्रतिशत की बढ़त हुई. ग्रुप के सर्विसेज बिजनेस (फाइनेंस, आईटी, लॉजिस्टिक्स) ने भी शानदार प्रदर्शन किया. इस सेगमेंट का मुनाफा करीब दोगुना होकर 1,637 करोड़ हो गया. महिंद्रा फाइनेंस का मुनाफा 97प्रतिशत बढ़ा और एसेट क्वालिटी में सुधार हुआ, जबकि टेक महिंद्रा के मार्जिन में 2.90प्रतिशत का सुधार दर्ज हुआ. महिंद्रा लॉजिस्टिक्स 11 तिमाहियों बाद घाटे से मुनाफे में लौटी.

हड़ताल के कारण आज बैंकों में काम होगा प्रभावित

नई दिल्ली. विभिन्न केंद्रीय कर्मचारी संघों की 12 फरवरी को आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण बैंकों में कामकाज प्रभावित हो सकता है. भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शेयर बाजारों को इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के परामर्श के हवाले से बताया है कि ऑल इंडिया बैंक इम्पलॉइज एसोसिएशन (एआईबीईए), बैंक इम्पलॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीईएफआई) और ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) ने गुरुवार 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर जाने के अपने फैसले के बारे में नोटिस दिये हैं. पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी बताया कि उसे वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग से इन संगठनों के 12 फरवरी को हड़ताल पर जाने की जानकारी मिली है.

गांधीधाम से नमक परिवहन में नवाचार

रेल फ्रेट में स्टेनलेस स्टील की शुरुआत

भारतीय रेल स्टेनलेस स्टील कंटेनर से करेगी औद्योगिक नमक का परिवहन

गांधीधाम, 11 फरवरी. पश्चिम रेलवे के गांधीधाम क्षेत्र ने माल परिवहन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है. विश्व में पहली बार भारतीय रेलवे द्वारा स्टेनलेस स्टील कंटेनर में औद्योगिक नमक का सफलतापूर्वक लदान गांधीधाम के नीलकंठ ज़ोन से किया गया. यह नवाचारपूर्ण पहल औद्योगिक थोक माल के सुरक्षित, स्वच्छ एवं उच्च दक्षता वाले परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुई है.

माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने एक्स पर पोस्ट कर से इस अभिनव पहल की सराहना की.

> **तेज़ और अत्यंत कुशल परीक्षण**
>
> इस परीक्षण (ट्रायल) के दौरान 34.2 टन औद्योगिक नमक की लोडिंग मात्र 15 मिनट में पूर्ण की गई, जबकि अनलोडिंग का कार्य केवल 5 मिनट में संपन्न हुआ. यह उपलब्धि रेलवे फ्रेट लॉजिस्टिक्स में त्वरित टर्नअराउंड समय और उच्च परिचालन दक्षता को दर्शाती है. लोडिंग कार्य कांडला विशेष आर्थिक क्षेत्र के समीप स्थित वे-ब्रिज पर सफलतापूर्वक संपन्न किया गया.

अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि स्टेनलेस स्टील कंटेनर में औद्योगिक नमक का यह सफल परीक्षण भारतीय रेलवे की नवाचार-आधारित लॉजिस्टिक्स रणनीति का उत्कृष्ट उदाहरण है. इससे न केवल संवेदनशील थोक माल का सुरक्षित और स्वच्छ परिवहन संभव होगा, बल्कि उद्योगों को तेज़, भरोसेमंद और पर्यावरण-अनुकूल फ्रेट समाधान भी प्राप्त होंगे.

भेल की तीन प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

मुंबई, 11 फरवरी. सरकार भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) की तीन प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी जिसके लिए ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) खुलेगा.

भेल ने को शेयर बाजार को बताया कि सरकार कंपनी के 10,44,61,901 इक्विटी शेयर बेचेगी जो उसकी कुल चुकाता पूंजी का तीन प्रतिशत है. इसमें खुदरा निवेशकों के लिए 1,04,46,189 शेयर उपलब्ध होंगे. इसके अलावा ज्यादा प्रतिसाद मिलने पर 6,96,41,267 इक्विटी शेयर (दो प्रतिशत) अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने का भी विकल्प रखा गया है. गैर-खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस 11 फरवरी को और खुदरा निवेशकों तथा कर्मचारियों के लिए 12 फरवरी को खुलेगा.

मोबाइल ग्राहकों की संख्या 124 करोड़ के पार

दिसंबर 2025 में मासिक आधार पर ग्राहक संख्या 124.42 करोड़ के पार

शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में मोबाइल ग्राहक बढ़े हैं

नई दिल्ली,11 फरवरी. देश में मोबाइल ग्राहकों की संख्या दिसंबर 2025 में मासिक आधार पर 0.59 प्रतिशत बढ़कर 124.42 करोड़ के पार पहुंच गयी जिनमें 116.30 करोड़ सक्रिय ग्राहक हैं. इससे पहले नवंबर 2025 में कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या 123.70 करोड़ रही थी.

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के जारी आंकड़े में बताया गया है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में मोबाइल ग्राहक बढ़े हैं. गत 31 दिसंबर को शहरी ग्राहकों की संख्या 71.20 करोड़ और ग्रामीण ग्राहकों की 53.22 करोड़ रही. शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण के मुकाबले अधिक तेज वृद्धि हुई है. शहरी क्षेत्र की मासिक वृद्धि दर 1.01 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र की 0.02 प्रतिशत रही. देश में मोबाइल टेली-घनत्व 86.94 प्रतिशत से बढ़कर 87.38 प्रतिशत पर पहुंच गयी. शहरी क्षेत्रों में जहां टेली-घनत्व बढ़कर 139.08 प्रतिशत पर पहुंच गयी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह 58.37 प्रतिशत से घटकर 58.36 प्रतिशत रह गयी.

ब्रॉडबैंड सेवा देनी वाली कंपनियों में 51.44 करोड़ के साथ रिलायंस जिओ इंफोकॉम पहले नंबर पर रही. भारती एयरटेल 31.43 करोड़ (31.20 प्रतिशत) और वोडाफोन आइडिया 12.85 करोड़ (12.75 प्रतिशत) के साथ

ब्रॉड बैंड ग्राहकों की कुल संख्या 100.74 करोड़ रही

देश में ब्रॉड बैंड ग्राहकों की कुल संख्या 100.74 करोड़ रही. इसमें 96.21 करोड़ वायरलेस ग्राहक और 4.53 करोड़ वायरलाइन ग्राहक हैं. टेलीफोन ग्राहकों की कुल संख्या 130.61 करोड़ पर पहुंच गयी. इसमें 125.88 करोड़ वायरलेस और 4.74 करोड़ वायरलाइन ग्राहक हैं. दिसंबर में कुल 85.3 लाख टेलीफोन ग्राहक बढ़े हैं जिसमें 82.1 लाख वायरलेस और 3.2 लाख वायरलाइन ग्राहक हैं. ट्राई ने बताया कि दिसंबर में 1.61 करोड़ ग्राहकों ने मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी के लिए आवेदन किया है.

बैंक ऑफ बड़ौदा ने एमसीएलआर घटाने की घोषणा की, सस्ता होगा कर्ज

बैंक ऑफ बड़ौदा ने की एमसीएलआर में आज से कटौती की घोषणा

छह महीने के एमसीएलआर में पांच-पांच आधार अंकों की कटौती

नई दिल्ली,11 फरवरी. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त की सीमांत लागत आधारित ऋण दरों (एमसीएलआर) में 12 फरवरी से कटौती की घोषणा की है जिससे कर्ज सस्ते होने की उम्मीद है.

एमसीएलआर वह दर जिससे कम पर कोई बैंक ऋण नहीं दे सकता. बैंक ऑफ बड़ौदा ने बताया कि 12 फरवरी से एक साल और छह महीने के एमसीएलआर में पांच-पांच आधार अंकों (0.05 प्रतिशत) की कटौती की गयी है. एक साल का एमसीएलआर 8.75 प्रतिशत से घटकर 8.70 प्रतिशत रह जायेगा. इसी प्रकार, छह महीने का एमसीएलआर 8.50 प्रतिशत से कम होकर 8.45 प्रतिशत रह जायेगा. वहीं, एक दिन, एक महीने और तीन महीने के एमसीएलआर में कोई बदलाव नहीं किया गया है और ये क्रमश: 7.80 प्रतिशत, 7.90 प्रतिशत और 8.15 प्रतिशत पर स्थिर रहेंगे.

उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने फरवरी में हुई मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर तथा अन्य नीतिगत दरों को यथावत रखा है, लेकिन पिछले साल रेपो दर में चार बार में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की गयी थी.

> आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने समिति की बैठक के बाद जारी बयान में बताया था कि पिछले साल फरवरी से दिसंबर के बीच वाणिज्यिक बैंकों ने ऋण पर ब्याज दर औसतन 105 आधार अंक (1.05) प्रतिशत घटाये हैं जिसमें 0.94 प्रतिशत रेपो दर में की गयी कमी का परिणाम है.

जियोफाइनेंस ऐप पर एनबीएफसी की एफडी सुविधा

8.15 प्रतिशत तक ब्याज

सभी बैंको में एफडी शुरू

मुंबई, 11 फरवरी. जियोफाइनेंस ऐप ने अपने प्लेटफॉर्म पर विभिन्न बैंकों और एनबीएफसी की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सेवाएं शुरू कर दी हैं.

अब ग्राहकों को अलग-अलग संस्थानों की वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे एक ही ऐप पर एफडी विकल्पों की तुलना कर निवेश कर सकेंगे। ऐप पर यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस और महिंद्रा फाइनेंस सहित कई संस्थानों की एफडी उपलब्ध हैं। यूजर्स ब्याज दर के आधार पर विकल्पों को फिल्टर कर सकते हैं। जियोफाइनेंस ऐप पर 8.15 प्रतिशत सालाना तक की ब्याज दर का विकल्प दिया जा रहा है।

पूरी निवेश प्रक्रिया एंड-टू-एंड डिजिटल है, जिससे कुछ ही मिनटों में एफडी बुक की जा सकती है। ऐप में एकीकृत डैशबोर्ड की सुविधा भी है, जिसके जरिए निवेशक रिटर्न, मैच्योरिटी डेट और रिन्यूअल रिमाइंडर जैसी जानकारी आसानी से ट्रैक कर सकेंगे। जियोफाइनेंस प्लेटफॉर्म एंड सर्विस लिमिटेड के सीईओ सुरभे एस. शर्मा ने कहा कि एफडी देश में बचत का लोकप्रिय माध्यम है.

लेकिन अलग-अलग विकल्पों की तुलना और निवेश प्रबंधन में ग्राहकों को कठिनाई होती है। जियोफाइनेंस ऐप इस पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाता है, जिससे यूजर्स अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप बेहतर निर्णय ले सकें।

रुपया 10 पैसे मजबूत

मुंबई, 11 फरवरी. दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर सूचकांक में जारी नरमी के बीच अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 10 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.56 रुपये का बोला गया. भारतीय मुद्रा पिछले दो दिन में 32 पैसे कमजोर हुई थी. सोमवार को यह एक पैसा टूटकर 90.66 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी. रुपया आज तीन पैसे की बढ़त के साथ 90.63 रुपये प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन कुछ ही देर में 90.77 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया. बाद में बैंकों की डॉलर बिकवाली से रुपया 90.48 प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ.

सोना-चांदी के दामों में गिरावट

सोना 130 सस्ता, चांदी रु. 1009 गिरी

नई दिल्ली, 11 फरवरी. सोना-चांदी के दामों में हल्की गिरावट दर्ज की गई. आईबीजेए के ताजा आंकड़ों के अनुसार 22 कैरेट सोना 130 सस्ता होकर 1,43,000 प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी 1,009 गिरकर 2,58,091 प्रति किलो रह गई.

अलग-अलग शुद्धता वाले सोने के भाव भी नीचे आए हैं. हालांकि, कीमतें अभी भी ऊंचे स्तरों के आसपास बनी हुई हैं. सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना-चांदी के भावों में हल्की नरमी देखी गई. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 22 कैरेट (916) सोना के 1,43,130 प्रति 10 ग्राम से घटकर आज सुबह 1,43,000 पर आ गया, यानी 130 की गिरावट. वहीं 999 शुद्धता वाली चांदी 1,009 सस्ती होकर 2,58,091 प्रति किलो पर पहुंच गई. अन्य शुद्धता के सोने में भी गिरावट दर्ज हुई. 24 कैरेट (999) सोना 142 सस्ता होकर 1,56,113 प्रति 10 ग्राम, 23 कैरेट (995) 141 घटकर 1,55,488, 18 कैरेट (750) 106 गिरकर 1,17,085 और 14 कैरेट (585) 83 सस्ता होकर 91,326 पर आ गया.

समाचार विशेष

विधायक-मंत्री विवाद से आलाकमान नाराज!

भाजपा ने पढ़ाया अनुशासन का पाठ, कड़े निर्देश

लखनऊ. यूपी बीजेपी में बढ़ रही अनुशासनहीनता की घटनाओं को रोकने को लेकर पार्टी आलाकमान सख्त हो गया है. पार्टी अनुशासनहीनता के ऐसे मामलों को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में बड़ा रोड़ा मान रही है. अनुशासनहीनता के मामलों से बचने के लिए पार्टी नेतृत्व ने खासी सख्त तैयारी की है. साथ ही प्रदेशभर के विधायक, मंत्री और सांसदों को कड़े निर्देश भी दे दी है.

यूपी में भाजपा ने सभी मंत्री, विधायकों और पदाधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि किसी को भी पार्टी और सरकार की लाइन के खिलाफ सार्वजनिक बयान और किसी तरह की ऐसी गतिविधि नहीं करनी है. जिससे सार्वजनिक रूप से गलत संदेश जाए और पार्टी का अनुशासन टूटे. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने सभी मंत्री, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों को इस बाबत निर्देश जारी किए हैं.

बीजेपी प्रवक्ता अवनीश ने बताया कि इन निर्देशों में सीधे तौर पर कहा है कि अगर किसी पार्टी पदाधिकारी, विधायक, सांसद और मंत्री को समस्या है तो सीधे पार्टी फोरम पर अपनी बात रखे. यानी कि पार्टी नेतृत्व को अपनी समस्या की जानकारी दे, ना कि सीधे सार्वजनिक रूप से बयानबाजी और विवाद करें. राजनीतिक जानकार मानते हैं कि यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पार्टी में मतभेद ज्यादा ना बढ़े.

> **महोबा की घटना ताजा उदाहरण**
>
> वहीं, पॉलिटिकल एनालिस्ट विजय उपाध्याय ने बताया कि पार्टी आलाकमान ने यह भी कहा है कि बीजेपी के जो सहयोगी दल हैं, उनके नेताओं या पार्टी के बारे में कोई टिप्पणी सीधे सार्वजनिक तौर पर ना करें. दरअसल पिछले दिनों जिस तरह से बीजेपी से विधायक और मंत्री अनिल राजभर ने सुभासपा चीफ ओपी राजभर पर टिप्पणी की जिसके बाद ओपी राजभर ने प्रतिक्रिया दी जिससे टकराव की चर्चाएं तेज हुईं. वहीं, पिछले दिनों महोबा में बीजेपी विधायक बृजभूषण राजपूत ने यूपी सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव को जनसमस्याओं को लेकर खुलेआम घेर लिया, जिससे पार्टी गलत संदेश मान रही है.

तमिलनाडु भाजपा में बड़ा उलटफेर

सिंघम अन्नामलाई ने चुनाव से पहले छोड़ी बड़ी जिम्मेदारी!

चेन्नई. कर्नाटक पुलिस का वो जांबाज अफसर जिसे सिंघम कहा जाता था वो आज तमिलनाडु की राजनीति का सबसे चर्चित चेहरा बन चुका है. वह शख्स, जिसने खाकी वर्दी को त्यागकर भगवा चोला ओढ़ा और द्रविड़ राजनीति के गढ़ में अपनी एक अलग पहचान बनाई.

कुछ ही वक्त में अन्नामलाई तमिलनाडु में इतनी बड़ी उम्मीद बन गए तो बीजेपी ने सोच लिया कि अब तमिलनाडु दूर नहीं लेकिन ऐसा हुआ नहीं. अब विधानसभा चुनाव आया तो अन्नामलाई को ताबड़तोड़ ऐसी खबरें आ रही हैं जो बीजेपी के

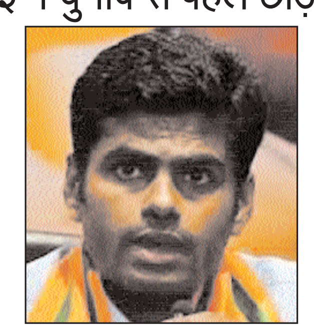

लिए कोई अच्छा संकेत नहीं हैं.

अचानक बम फोड़ते हुए अन्नामलाई से पार्टी से मिली चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारियां छोड़ने का एलान कर दिया है. उन्होंने पार्टी से कहा कि उनके प्रभार वाली 6 विधानसभा सीटों सिंगानल्लूर, मदुरै दक्षिण, विरुगंबाक्कम, कराईकुडी, श्रीवैकुंठम और पद्मनाभपुरम के लिए किसी और को नियुक्त किया जाए. जब चुनाव एकदम सिर पर है तो अन्नामलाई ने कहा कि उन्होंने कहा कि उनके लिए बीमार पिता की देखभाल पहले जरूरी है. कोयम्बटूर में ही रहकर पिता का केयर करेंगे. वो अभी ट्रैवल करने या पार्टी का बेसिक वर्क करने की स्थिति में नहीं हैं. अब तक अन्नामलाई कोयम्बटूर में ससुराल वाले घर में रह रहे थे. उन्होंने अब किराए का मकान लिया है. इससे पिता की सेवा भी होगी और लोगों के साथ संपर्क भी.

विजय के कारण बिगड़ेगा समीकरण

चेन्नई. तमिलनाडु का पारंपरिक राजनीतिक समीकरण बदल रहा है. फिल्म स्टार विजय ने प्रदेश की राजनीति का माहौल बदल दिया है. उनकी करूर की सभा में हुई भगदड़ की बात बहुत पीछे छूट गई है. राज्य के लोग खास कर युवा उनके पीछे एकजुट हो रहे हैं.

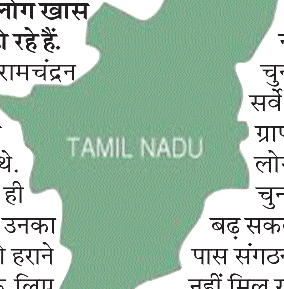

उन्होंने अपने को एमजी रामचंद्रन यानी एमजीआर की श्रेणी में रख दिया है. विजय ने वैसे जुमले बोले, जैसे एमजीआर बोलते थे. उन्होंने एमजीआर की तरह ही डीएमके को दुष्ट शक्ति कहा. उनका दावा है कि वे इन दुष्ट शक्तियों को हराने और राज्य के लोगों की रक्षा के लिए चुनाव मैदान में उतरे हैं. यह नैरेटिव तमिलनाडु के दूरदराज के गांवों तक पहुंच रहा है.

उनकी फिल्म 'जन नायकन' को सेंसर बोर्ड ने रिलीज नहीं होने दिया गया है. लेकिन वे इसकी शिकायत नहीं कर रहे हैं. उनको पता है कि फिल्म रोकने से उनके प्रति और सहानुभूति बन रही है. ध्यान रहे फिल्म सेंसर बोर्ड ने रोकी है और इसमें राज्य सरकार का कोई लेना देना नहीं है. फिर भी वे भाजपा के खिलाफ कुछ नहीं बोल रहे हैं. प्रशांत किशोर उनके चुनाव रणनीतिकार हैं और हाल के तमाम सर्वेक्षणों में विजय की लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ रहा है. वे अभी 25 फीसदी लोगों की पसंद हैं. लेकिन जैसे जैसे चुनाव नजदीक आएगा यह लोकप्रियता बढ़ सकती है. उनकी कमजोरी यह है कि उनके पास संगठन नहीं है और बहुत मजबूत उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं.

फिर अगर चुनाव में उनको मुख्यमंत्री बनाने का मुद्दा हावी हुआ तो वे कमाल कर सकते हैं. इतना तय है कि विजय ने तमिलनाडु की आमने सामने की पारंपरिक लड़ाई को त्रिकोणात्मक मुकाबले में बदल दिया है.

विशेष | **अखिलेश के मुस्लिम नेताओं की उड़ी नींद, 2027 के लिए बिछ गई नई बिसात!**

यूपी चुनाव में होगी 'लेडी ओवैसी' की एंट्री?

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी तेज़ हो गई है. सत्ता के गलियारों में सियासी कानाफूसी हो रही है. राजनैतिक रणनीतियां बन रही हैं और नामों पर चर्चा हो रही है. एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी एक ऐसी चाल चलने की तैयारी में हैं जिससे सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों खेमों में हलचल मच सकती है.

राजनीतिक गलियारों में यह खबर ज़ोरों पर है कि असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन आने वाले चुनावों में अपनी सबसे तेज-तर्रार और बेबाक महिला नेता सैयदा फलक को मैदान में उतारने की योजना बना रही है. सैयदा फलक के नाम

का जिक्र होते ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में पारा चढ़ गया है.

बयान से हंगामा मचा चुकी हैं सैयदा- सैयदा फलक वही महिला हैं जिन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का जिक्र करते हुए एक बयान दिया था, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में हलचल मच गई थी.

उन्होंने कहा था कि एक दिन हिजाब और बुर्का पहनने वाली महिला इस देश की प्रधानमंत्री बनेगी, क्योंकि भारत किसी एक व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं है. इस बयान के बाद से सैयदा फलक एआईएमआईएम के सबसे मजबूत महिला चेहरे के तौर पर उभरी हैं. उन्हें एआईएमआईएम के लीडर्स लेडी ओवैसी कहकर भी बुलाते हैं. क्यों सैयदा के बयानों की धार हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी से कम तीखी नहीं रहती है.

> **कैराना से चुनाव लड़ेंगी सैयदा फलक!**
>
> उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि एआईएमआईएम सैयदा फलक को कैराना लोकसभा सीट से मैदान में उतार सकती है. उनका सीधा मुकाबला मौजूदा समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन से होने की संभावना है. असदुद्दीन ओवैसी खुद इस रणनीति को अंतिम रूप दे रहे हैं और कैराना सीट एआईएमआईएम के लिए बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है.